लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1624
दिनांक 13.12.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

ई-पंजीकरण पोर्टल

1624. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री प्रतापराव जाधवः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ई-पजीकरण पोर्टल शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त पोर्टल को शुरू करने के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने परम्परागत वस्त्र की भावना को प्रोत्साहित करने और वोकल फॉर लोकल के विचार का समर्थन करने के लिए मुम्बई में साड़ी वॉकथॉन का आयोजन किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किन-किन कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है; और

(ङ) घरेलू परिधान बाजार और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ाने के लिए देश में परंपरागत कपड़ों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (घ): प्रतिभागियों को 'वन भारत साड़ी वॉकथॉन' के लिए पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए ई-पंजीकरण पोर्टल (www.sariwalkathon.in) लॉन्च किया गया है। इस आयोजन का उद्देश्य देश भर की महिलाओं को अपनी पारंपरिक साड़ियों का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित करके "विविधता में एकता" और भारत में हथकरघा साड़ी संस्कृति को बढ़ावा देना है। इससे पारंपरिक वस्त्रों को बढ़ावा देने और महिलाओं के बीच फिटनेस के बारे में जागरूकता तथा महिला सशक्तिकरण और "वोकल फॉर लोकल" के विचार का समर्थन करने में भी मदद मिलेगी।

10.12.2023 को मुंबई में एक साड़ी वॉकथॉन आयोजित किया गया। माननीय वस्त्र मंत्री, माननीय वस्त्र राज्य मंत्री और माननीय संसद सदस्य ने संयुक्त रूप से "वन भारत साड़ी वॉकथॉन" को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में समाज के सभी क्षेत्रों से हजारों महिलाओं ने भाग लिया। इसमें एक साड़ी ड्रेपिंग कार्यशाला भी आयोजित की

गई तथा प्रतिभागियों ने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी सह बिक्री, थीमेटिक डिस्प्ले और करघों के लाइव प्रदर्शन पर फोकस करते हुए गांधी शिल्प बाजार का भ्रमण किया।

(ङ): वस्त्र मंत्रालय देश भर में पारंपरिक परिधान अर्थात हथकरघा को बढ़ावा देने और हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है:

- राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी)
- कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस)

उपरोक्त योजनाओं के तहत पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चे माल, सामान्य बुनियादी ढांचे के विकास, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग, रियायती दरों पर ऋण आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इन योजनाओं का उद्देश्य हथकरघा बुनकरों को बेहतर करघे और सहायक उपकरण प्रदान करके उत्पादकता बढ़ाना, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल उन्नयन, डिजाइनरों को नियुक्त करके डिजाइन इनोवेशन और उत्पाद विविधीकरण, विविध हथकरघा उत्पादों का उत्पादन करना है।

*****